वीर बाल दिवस

सूरा सो पहिचानीऐ जु लरै दीन के हेत ॥

दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबज़ादों की लासानी शहादत की गाथा

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व 9 जनवरी, 2022 को देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने यह घोषणा की थी कि श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के छोटे साहिबज़ादों बाबा ज़ोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी की शहादत को याद करते हुए हर साल 26 दिसंबर को **'वीर बाल दिवस'** आयोजित किया जायेगा।

प्रधानमंत्री जी की घोषणा के अनुरूप श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के साहिबज़ादों की बेमिसाल शहादत के प्रति श्रद्धांजलि देने के लिए भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने 26 दिसंबर को **'वीर बाल दिवस'** मनाने के लिए एक राजपत्र अधिसूचना जारी की। तदनुरूप, अब हर वर्ष 26 दिसंबर को **'वीर बाल दिवस'** के रुप में मनाया जाता है।

बाबा ज़ोरावर सिंह जी
बाबा फ़तेह सिंह जी

छोटे साहिबज़ादों का जन्म स्थान
गुरुद्वारा गुरु के महल, अनंदपुर साहिब

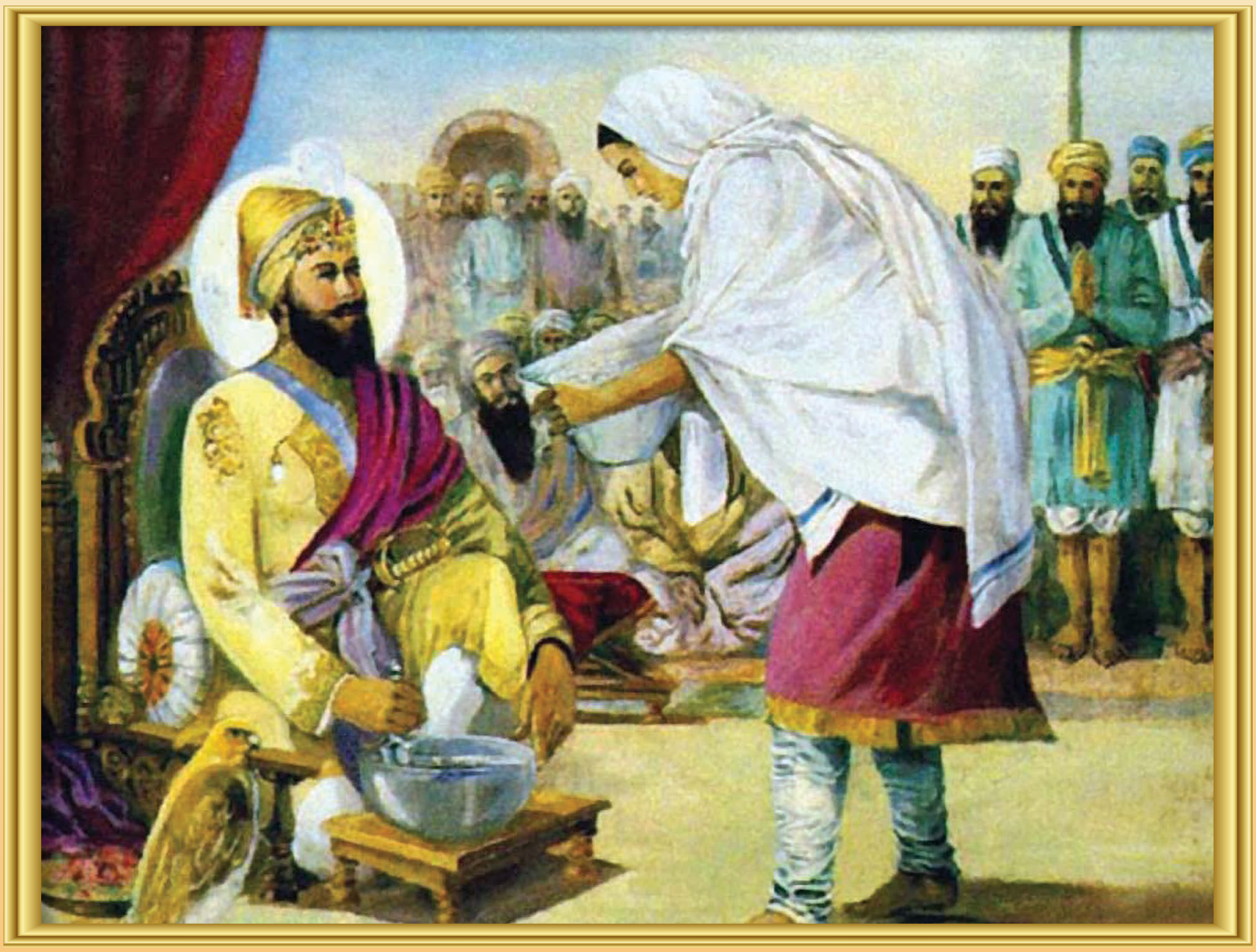

पिता श्री गुरु गोबिंद सिंह जी
और माता जी

साहिबज़ादे श्री अनंदपुर साहिब की धरती पर
गुरबाणी - संगीत और शस्त्र-विद्या
ग्रहण करते हुए

क्रूर मुगलों द्वारा
श्री अनंदपुर साहिब पर हमला

अनंदगढ़ साहिब किले को छोड़ने का दृश्य

उफनती सरसा नदी के तट पर मुगलों से युद्ध

सरसा नदी पर गुरु-पिता
से बिछड़ने के बाद माता गुजरी जी और छोटे साहिबज़ादे

Towards a new dawn
Ministry of Women and Child Development
Government of India

वीर बाल दिवस

इतिहास से लेकर किंवदंतियों तक, हर क्रूर चेहरे के सामने महानायकों और महानायिकाओं के भी एक से एक महान चरित्र रहे हैं।

लेकिन ये भी सच है कि, चमकौर और सरहिंद के युद्ध में जो कुछ हुआ, वो 'भूतो न भविष्यति' था।

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

माताजी और छोटे साहिबज़ादों की पहली रात
कुम्मा माशकी जी की कुटिया में बीती

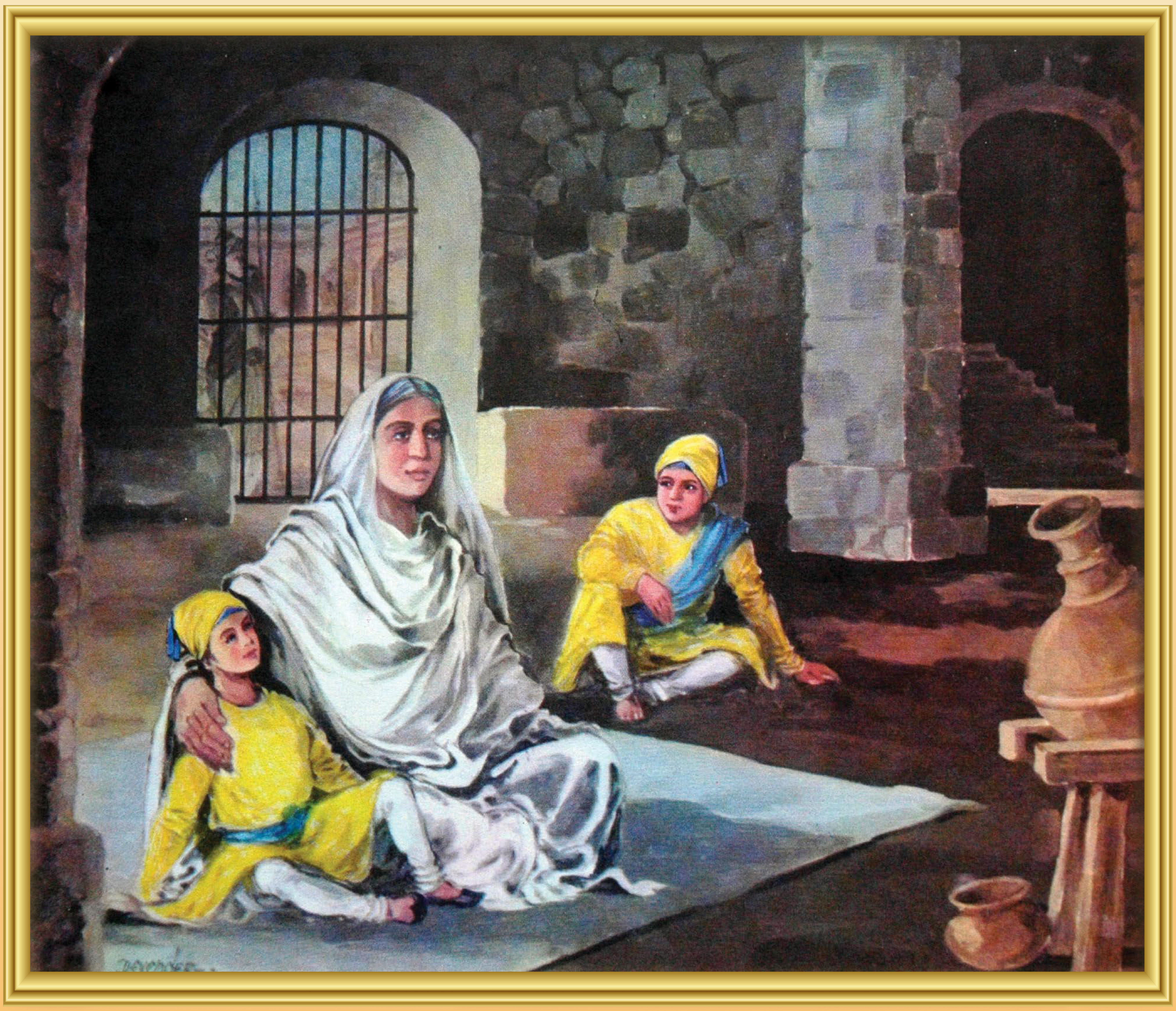

मोरिंडा की जेल में
छोटे साहिबज़ादे और माता गुजरी जी

माता जी और छोटे साहिबज़ादों को बैलगाड़ी पर बिठाकर
सरहिंद ले जाता हुआ कोतवाल

सूबा-ए-सरहिंद ज़ालिम वजीर खान ने
माता गुजरी जी और छोटे साहिबज़ादों
को ठंडे बुर्ज में कैद किया

अपने पैर आगे करके बिना झुके
अदालत में बेखोफ़ प्रवेश होते हुए छोटे साहिबज़ादे

सूबा-ए-सरहिंद की अदालत में
'वाहेगुरु जी का ख़ालसा॥ वाहेगुरु जी की फतेह॥'
बुलंद करते हुए छोटे साहिबज़ादे

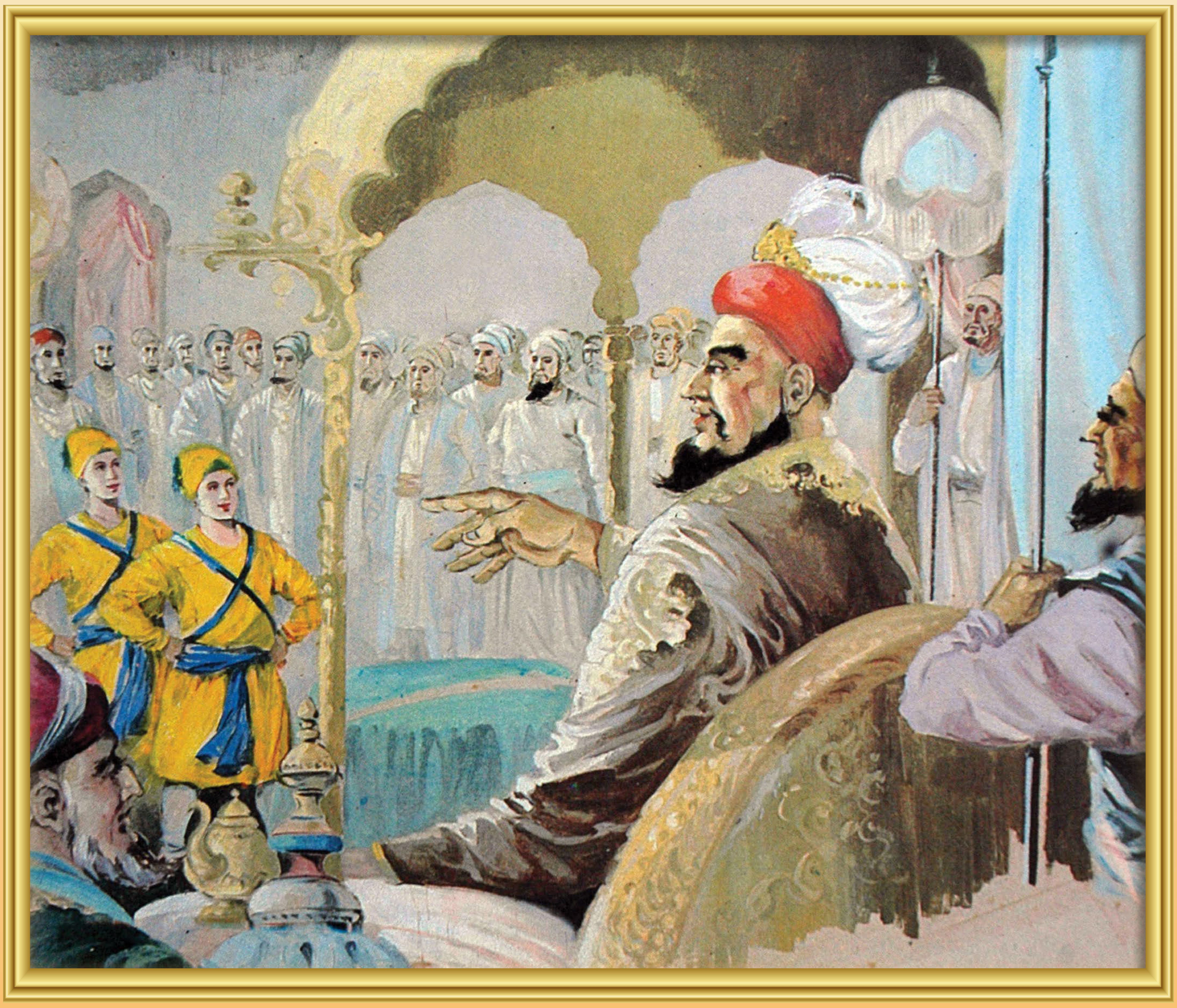

सूबे की बेदर्द कचहरी में
बेखौफ खड़े छोटे साहिबज़ादे

ठंडे बुर्ज में छोटे साहिबज़ादों को
दूध पिलाने की सेवा करते हुए
भाई मोती राम मेहरा जी

छोटे साहिबज़ादों को दीवार में जिंदा
चुनवा देने का फ़तवा सुनाते हुए काज़ी

Towards a new dawn
Ministry of Women and Child Development
Government of India

वीर बाल दिवस

और इस सबके बीच, एक ओर लाखों की फौज,
और दूसरी ओर अकेले होकर भी निडर खड़े गुरु
के वीर साहिबजादे !

ये वीर साहिबजादे किसी धमकी से डरे नहीं,
किसी के सामने झुके नहीं।

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

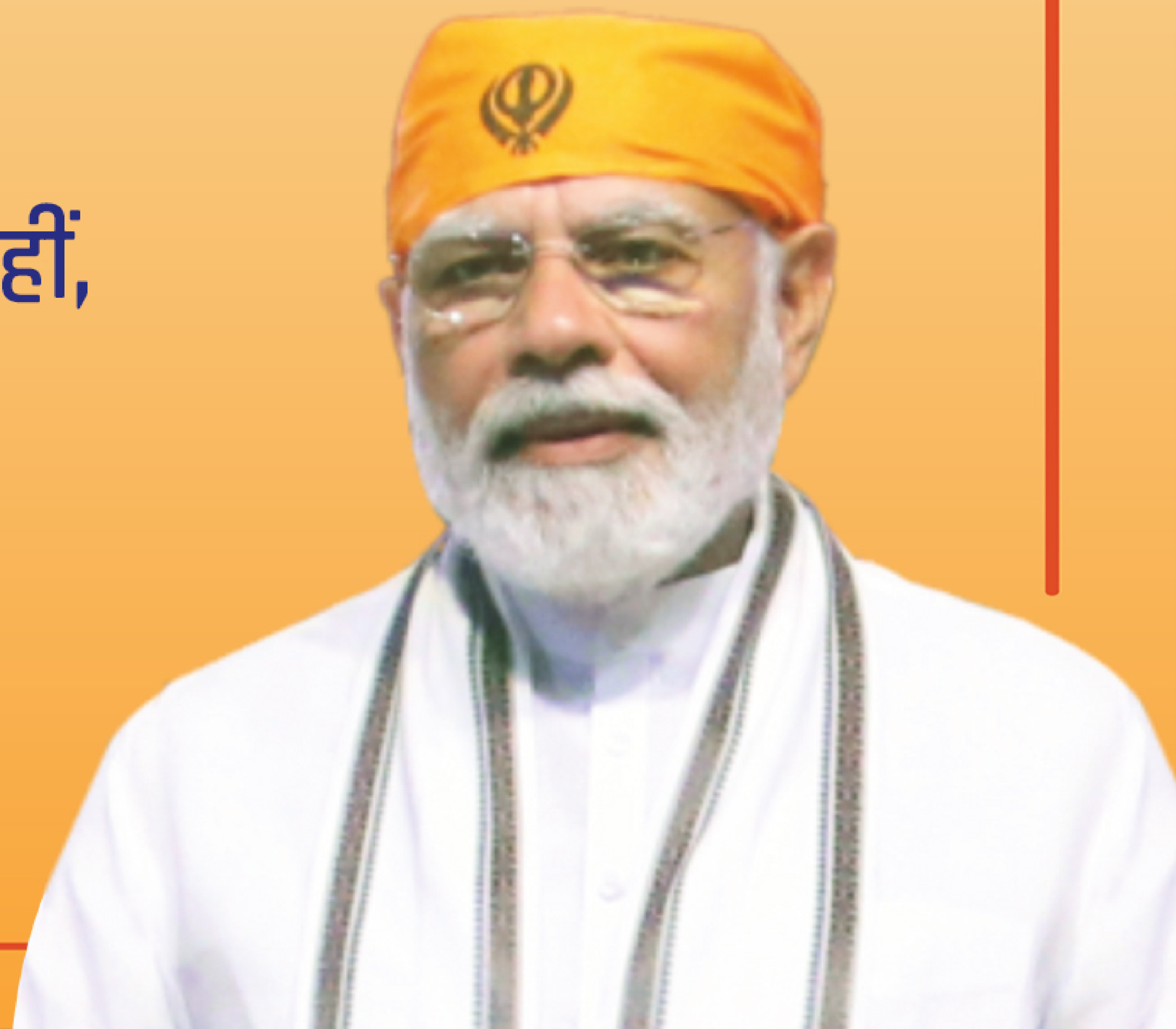

फ़तवा सुनकर छोटे साहिबज़ादे
एक-दूसरे को देखकर मुस्कुराते हुए

छोटे साहिबज़ादों को अपने हाथों से तैयार करके
शहीद होने के लिए भेजती हुईं माता गुजरी जी

ख़ूनी दीवार में निडर खड़े छोटे साहिबज़ादे
जपुजी साहिब का पाठ करते हुए

दीवार के अंदर से छोटे साहिबज़ादों के
आखिरी जैकारे की गूंज

छोटे साहिबज़ादों की शहादत का दृश्य
गिरी हुई दीवार और छोटे साहिबज़ादों के पावन शरीर

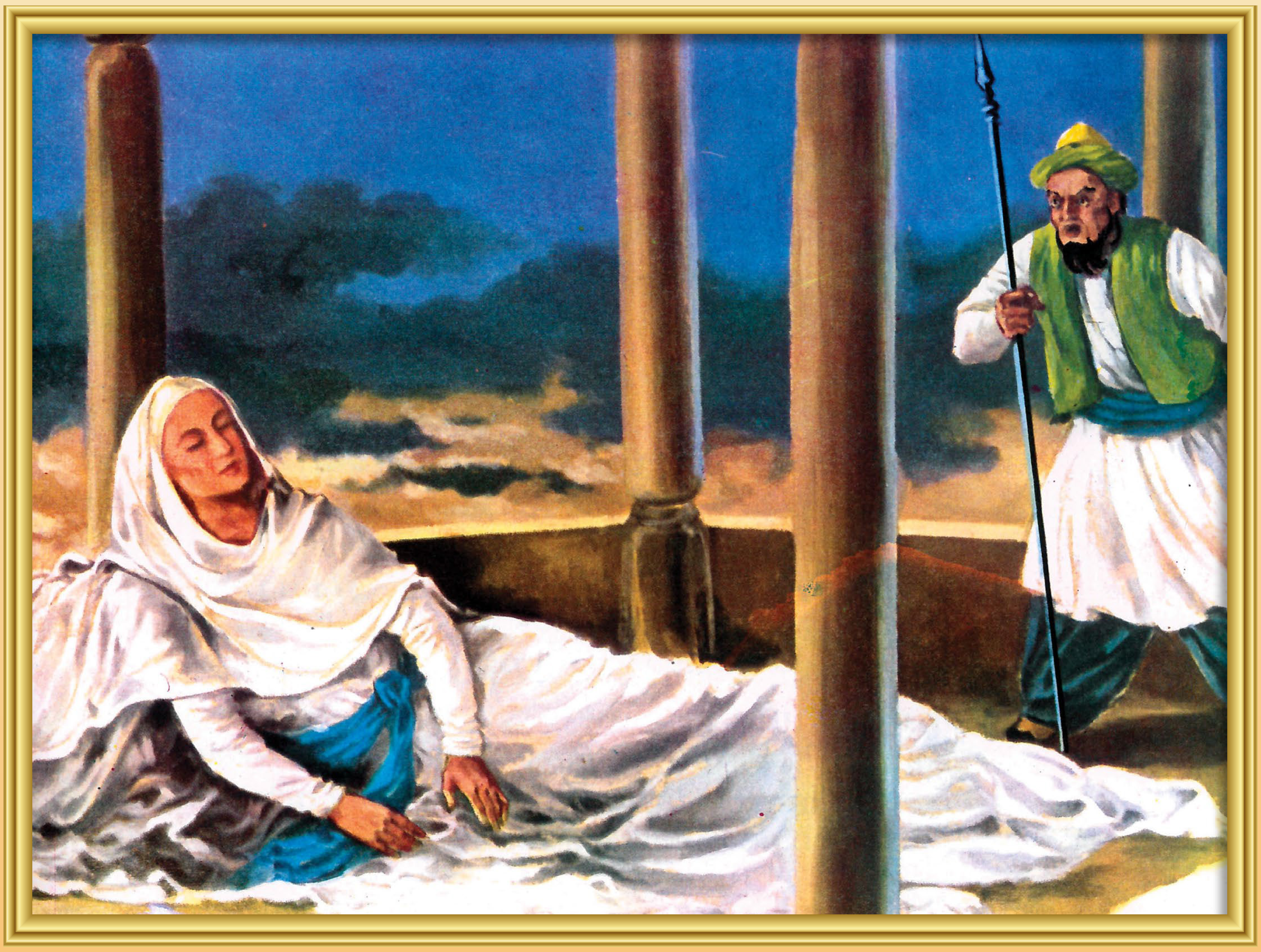

ठंडे बुर्ज में
माता गुजरी जी की शहादत

दीवान टोडरमल जी जिन्होंने छोटे साहिबज़ादों और माता जी के
पवित्र शरीरों का अंतिम संस्कार करने के लिए
सोने की मुहरें खड़ी करके सबसे महंगी ज़मीन खरीदी

दूध पिलाने की सेवा करने वाले
भाई मोती राम मेहरा जी के परिवार
को कोल्हू में प्रताड़ित किया गया

महान सिख सेनापति बाबा बंदा सिंह जी बहादुर
ने अत्याचारी मुगल नवाब सूबा-ए-सरहिंद
और उसके अत्याचारी शासन का अंत किया

Towards a new dawn
Ministry of Women and Child Development
Government of India

वीर बाल दिवस

हमें साथ मिलकर वीर बाल दिवस के संदेश को देश के कोने-कोने तक लेकर जाना है।

हमारे साहिबजादों का जीवन संदेश देश के हर बच्चे तक पहुंचे, वो उनसे प्रेरणा लेकर देश के लिए समर्पित नागरिक बनें, हमें इसके लिए भी प्रयास करने हैं।

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

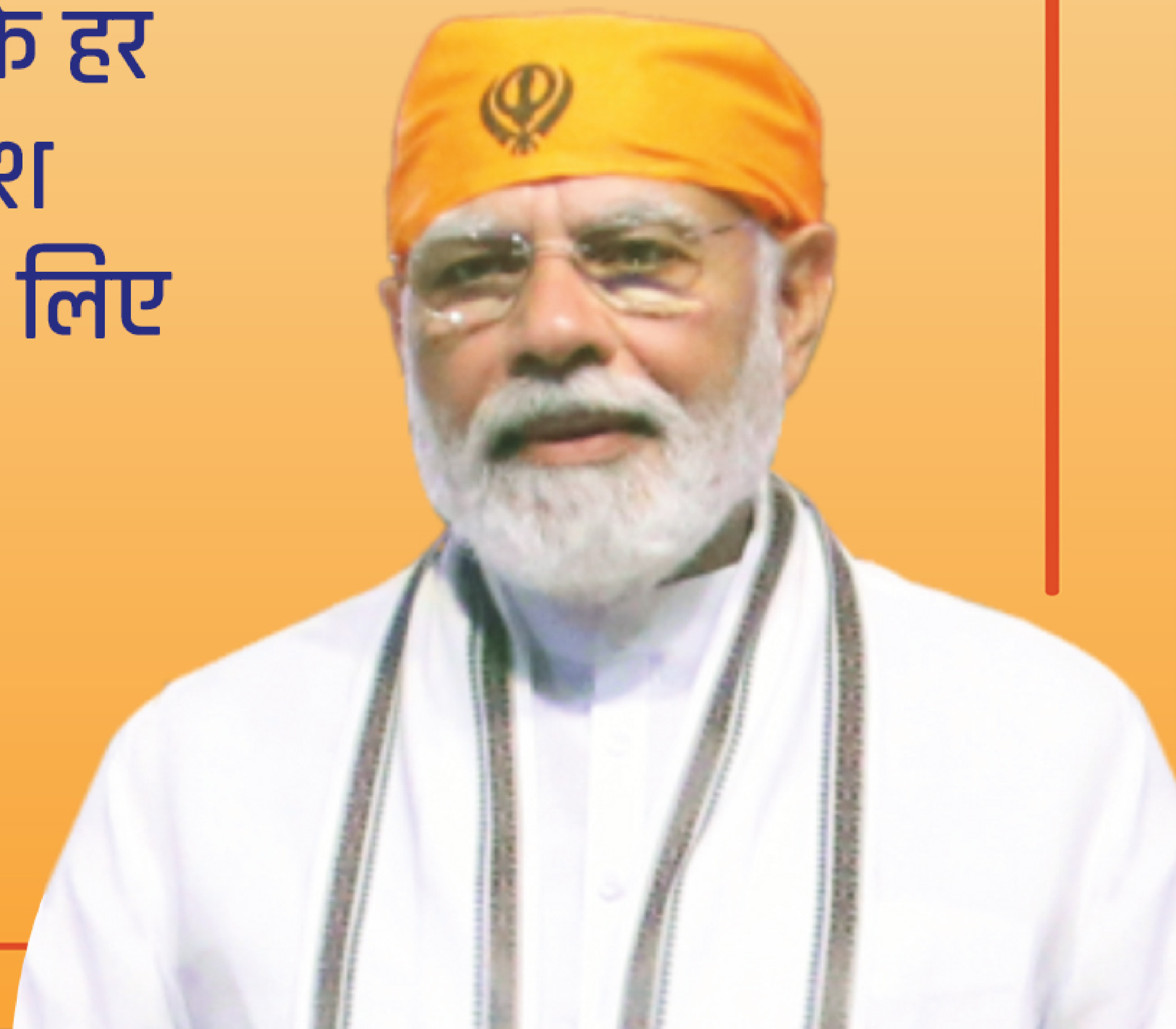

गुरुद्वारा किला अनंदगढ़ साहिब
दिसंबर 1704 में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने अपने परिवार सहित इस किले को छोड़ा था

गुरुद्वारा परिवार विछोड़ा साहिब
इस पवित्र स्थान पर श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का परिवार
बिछुड़ गया था

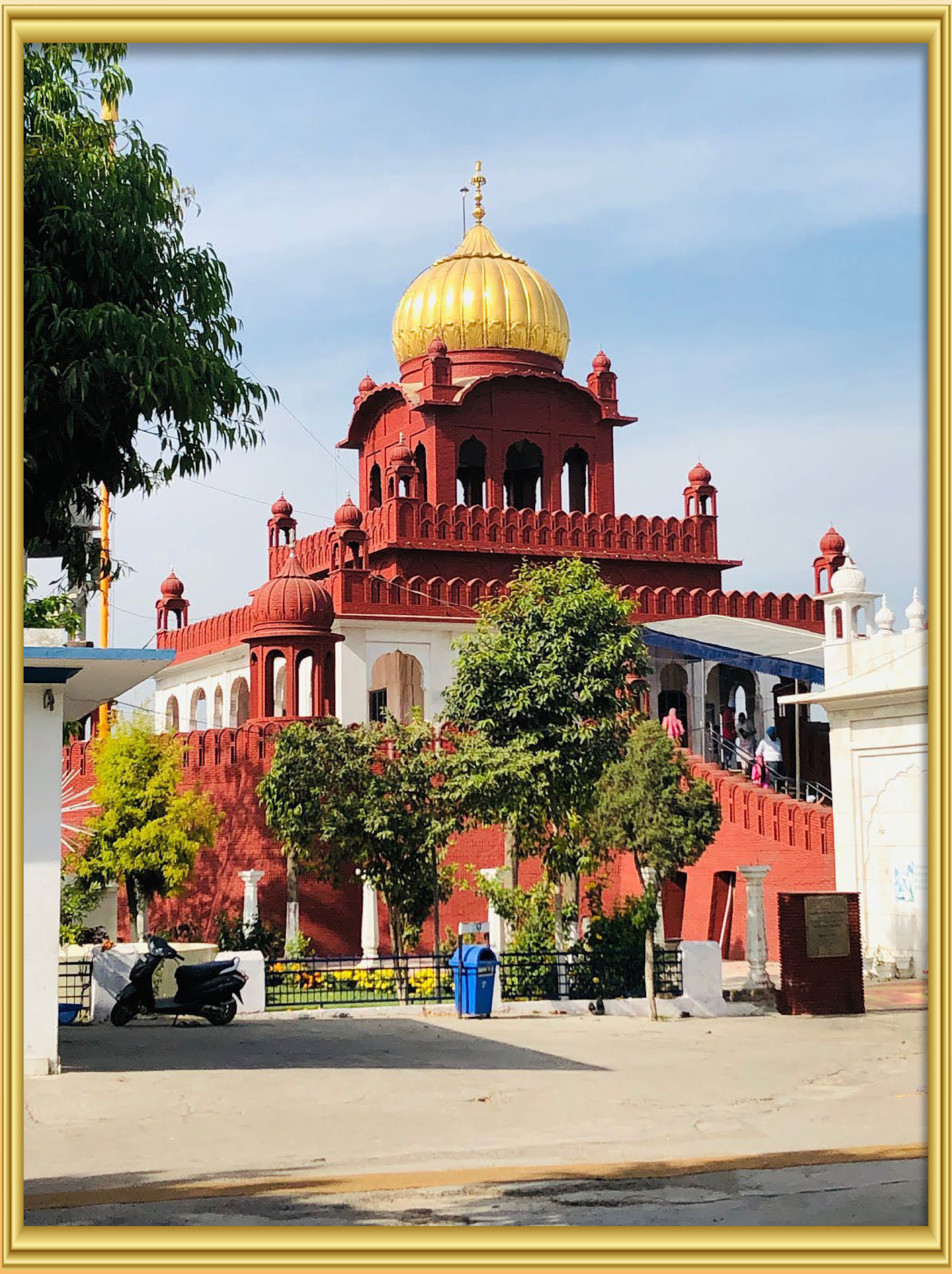

गुरुद्वारा ठंडा बुर्ज साहिब, सरहिंद
इस पवित्र स्थान पर माता गुजरी जी तथा साहिबजादों को पोष के महीने में वज़ीर खान द्वारा तीन रातों के लिए कैद में रखा गया था

गुरुद्वारा फ़तेहगढ़ साहिब, सरहिंद
इस स्थान पर छोटे साहिबज़ादो की शहादत हुई थी

गुरुद्वारा ज्योति सरूप साहिब
संस्कार स्थान माता गुजरी जी, बाबा ज़ोरावर सिंह जी तथा बाबा फ़तेह सिंह जी